

: त्रीफ बॉक्स :

छात्रों पर विवादित

बयान देने वाला केरलम

का यूट्यूबर गिरफ्तार



कोच्चि,एजेंसी। केरलम पुलिस ने सोमवार को राइट विंग कमेंटेटर और यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार किया। उन पर NEET पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मोहनदास ने 24-25 जुलाई को यूट्यूब चैनल 'पथरिका' पर वीडियो अपलोड किए थे। मोहनदास पर आरोप है कि उन्होंने वीडियो में कहा- 'जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में 'गैंगरेप की घटनाएं हो सकती हैं', लेकिन इसकी कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि प्रदर्शन में शामिल होने वालों को रेप पसंद है और कुछ लड़कियां हैं जो रेप का आनंद लेती हैं।' उन्होंने कहा था कि अगर वह होते तो जंतर-मंतर पर कर्फ्यू लगा देते और प्रदर्शनकारियों को हटाने का आदेश देते। अगर प्रदर्शनकारी नहीं मानते, तो वे फायरिंग का आदेश देते।

तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

इनमें यूसुफ-अबू ताहिर, बोले- हम एनडीए में नहीं



कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तुण्गभुवना कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पटन ने कहा है कि वे BJP में शामिल नहीं होंगे और वे NDA का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे BJP की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी TMC सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजनस पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय किया था। इसके बाद NDA को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिर्ला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से NCPI सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में TMC सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ TMC लिखा जाता है।

देश में खेती प्रधान 12 राज्यों में बारिश की भारी कमी, नहीं देखने को मिला मानसून का असर

नई दिल्ली,एजेंसी। पिछले एक हफ्ते में दिल्ली, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में अच्छी बारिश से इन इलाकों में बारिश की कमी को पूरा करने में मदद मिली लेकिन इससे पूरे देश में मानसून की कमी पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा। इस दौरान भारत में कुल बारिश की कमी में एक प्रतिशत की कमी आई। यह 2 अगस्त को 12% से घटकर 9 अगस्त को 11% हो गई। बिहार, झारखंड, यूपी, पंजाब और आंध्र प्रदेश जैसे कई खेती-प्रधान राज्यों में अभी भी कम बारिश हो रही है। **फसलों की बुआई के बाद हुई बारिश:** इसके अलावा कई इलाकों में बारिश तब हुई जब देश के कुल बीए गए क्षेत्र के लगभग 88% हिस्से में खरीफ की फसलों की बुआई पूरी हो चुकी थी। नतीजतन, पिछले एक हफ्ते में



बुआई वाले क्षेत्र की कमी में केवल 1% तो मुख्य खरीफ फसल धान की बुआई का क्षेत्र पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अभी भी 4% कम है। फिर भी अगस्त की बारिश से जलाशयों में पानी का बंधरण बेहतर होगा जो पनबिजली क्षमता के इस्तेमाल और अगले बुआई के मौसम के लिए बैक-अप तैयार होने के लिहाज से एक अच्छा संकेत है। **12 राज्यों में बारिश की भारी कमी:** रविवार तक 12 राज्यों में बारिश की भारी कमी (20% या उससे ज्यादा) दर्ज की

इन राज्यों में बढ़ सकती है बारिश की गतिविधि... हालांकि, मौसम विभाग ने रविवार को भविष्यवाणी की कि गुरुवार के आसपास उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के कारण 13 अगस्त से बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है। इससे बिहार और झारखंड में धान और मक्का की बुआई में कुछ हद तक तेजी आ गई है। इन इलाकों में बिहार, झारखंड और यूपी में देश का मानसून कोर जोन (मुख्य मानसून क्षेत्र) शामिल है, जहां सिंचाई की खराब व्यवस्था के कारण खेती मुख्य रूप से मौसमी बारिश पर निर्भर करती है।

एमपी-राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों में बाढ़ जैसे हालात

● बाड़मेर-बीकानेर में सड़के डूबीं ● यूपी में गंगा का पानी हाईवे पर आया

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश और राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। एमपी के भोपाल, रायसेन, उज्जैन, देवास सहित कई शहरों में रविवार रात से मूसलाधार बारिश हो रही है।

राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड डैम ओवरफ्लो हो गया है। बीकानेर के श्रीद्वारगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लंबालंब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।



एमपी के राजगढ़ में निर्माणधीन पुल से बही कार, 4 की मौत: राजगढ़ में निर्माणधीन पुल से ईको कार बह गई। इसमें कुल 11 लोग सवार थे। इनमें से दो लोग बाहर निकाल आए। अब तक 4 शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव दल बाकी लोगों की तलाश कर रहा है। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ना कस्बे में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।



हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से 124 सड़कें बंद... हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण 124 सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं, 255 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर (DTR) भी टप पड़े हैं। सड़कों के बंद होने से मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 51 सड़कें बंद हैं। इसके बाद कुल्लू में 39 और शिमला में 13 सड़कें बंद हैं।

उधर, पचोर में नरसिंहगढ़ से आ रही भागंव ट्रैवल्स की बस उकनते नाले में फंस गई। पानी का बहाव तेज होने की वजह से बस लहराने लगी। यात्रियों ने कूदकर जान बचाई।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण 20 बांग्लादेशी बदमाशों पर आरोप

» परिवार का दावा- चाय बागान से उठाकर बॉर्डर पार ले गए

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार का आरोप है कि करीब 20 बांग्लादेशी बदमाश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर चाय बागान में पहुंचे और दीपांकर को



जबरन अपने साथ बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गए। परिवार का दावा है कि इसी हफ्ते सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई थी। इसके बाद बदला लेने के लिए दीपांकर का अपहरण किया गया।

बीएसएफ ने बांग्लादेश से बातचीत की: अपहरण के बाद BSF मौके पर पहुंची और

बांग्लादेशी मीडिया का दावा- पहले भारत ले कारवाई की... यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश का हवाला देते हुए बांग्लादेशी मीडिया ने एक अलग दावा पेश किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कारवाई BSF के 78 साल के बांग्लादेशी बुजुर्ग को पकड़ने के जवाब में की गई है।

दीपांकर की रिहाई की कोशिश शुरू की। अधिकारियों ने बॉर्डर गाई बांग्लादेश के साथ फ्लैग मीटिंग भी की। हालांकि, शनिवार रात तक दीपांकर को रिहा नहीं किया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वह BGB की हिरासत में हैं।

26/11 हमले से जुड़े लश्कर आतंकी अब्दुल-अजीज की मौत

इस्लामाबाद,एजेंसी। 26/11 मुंबई आतंकी हमले से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी कारी सईद अब्दुल-अजीज की पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मौत हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह कुबा मस्जिद के बाहर अचानक गिर पड़ा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मस्जिद पहुंचने से पहले अजीज ने एक रेस्तरांत में खाना खाया था। इसके बाद नमाज के लिए पहुंचने पर वह अचानक गिर पड़ा। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।



अजीज पर 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की साजिश में शामिल होने का आरोप था। हमले में लश्कर के 10 आतंकीयों ने मुंबई के कई ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें 166 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। उस पर लश्कर की एक यूनिट संभालने का भी आरोप था, जो आतंकीयों के बीच कम्युनिकेशन और जम्मू-कश्मीर में मारे गए लश्कर आतंकीयों के परिवारों को आर्थिक मदद से जुड़े काम देखती थी। रिपोर्ट्स के

अगली हियरिंग पर एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश करेगी

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज, 10 अगस्त को सुनवाई टल गई। कोर्ट अब अगले हफ्ते इस पर सुनवाई करेगा। SIA अपनी स्टेटस रिपोर्ट अगले हफ्ते कोर्ट के सामने पेश करेगी। कोर्ट जांच की प्रगति की समीक्षा करेगा।

यदि जांच में कोई कमी या अतिरिक्त दिशा-निर्देश की आवश्यकता हुई, तो सुप्रीम कोर्ट आगे के आदेश दे सकता है। वहीं, अयोध्या कोर्ट में भी आज ही सुनवाई होनी है। जेल में बंद 8 आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी होगी।

इससे पहले 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में चढ़ावा चोरी मामले



को लेकर सुनवाई हुई थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया- नई SIA बना दी गई है। IG किरण एस इसे लीड कर रहे हैं।

टीम में एक डिप्टी इंस्पेक्टर

जनरल (DIG), एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) और एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) भी शामिल हैं।

चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या

तमिलनाडु विधानसभा: सभी सरकारी कार्यक्रमों में तमिल एंथम अनिवार्य, प्रस्ताव हुआ पारित

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में राज्य गीत से जुड़ा अहम प्रस्ताव सोमवार को पारित कर दिया गया है। द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडगम (अन्नाद्रमुक) के साथ कांग्रेस पार्टी ने इसका समर्थन किया। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने प्रस्ताव पेश किया था।

इस प्रस्ताव में राज्य के शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत से पहले राज्य गीत 'तमिल थाई वाजथु' औपचारिक रूप से अनिवार्य करने की बात कही गई है।

विजय ने भावुक संबोधन में कहा, तमिल सिर्फ



एक भाषा नहीं है, बल्कि हमारी जिंदगी और भावना भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी किसी की मां।

मुख्यमंत्री ने क्या कहा? प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में तमिल थाई वाजथु को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, तमिल का मतलब गर्व है, तमिल का मतलब शक्ति है। जैसे ही आप 'तमिल' कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एकजुट हो जाता है। तमिल थाई वाजथु को तमिलनाडु में पहला स्थान मिलना चाहिए। तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान देना हमारा राज्य का अधिकार है।

झारखंड विधानसभा के पास पहुंचे छात्रों पर लाठीचार्ज

● प्रदर्शनकारियों ने चप्पल, बोतलें फेंकी, कंटीले तार की बैरिकेडिंग पर चढ़े, वाटर कैनन पर डांस किया

रांची,एजेंसी। झारखंड के रांची में JPSC-JSSC में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं, धरना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। छात्रों की ओर से पानी की बोतल और चप्पलें फेंकी गई हैं।

इधर, CID ने JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को JPSC ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी।

पुलिस प्रदर्शनकारियों को कंटीले तार की बैरिकेडिंग और वाटर कैनन से रोकने की कोशिश की तो छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर



डांस करते नजर आए। विधानसभा को चारों तरफ से 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। CCTV कैमरों से निगरानी की जा रही है। वहीं, 9 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस से विधानसभा

मार्च में शामिल हुए। इस बीच भाजपा विधायक भी छात्रों के समर्थन में एरु हाउस के सामने धरने पर बैठे, जिन्हें बाद में पुलिस ने वहां से हटा दिया। छात्र झारखंड PSC-SSC की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन

से आंदोलन कर रहे हैं। 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष अरेस्ट: जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी कार्यालय में

लाठीचार्ज में छात्र का सिर फटा... विधानसभा के पास पुलिस लाठीचार्ज में छात्र के सिर पर चोट आई है। घायल छात्र विक्रम कुमार ने कहा, 'हेमंत सोरेन जी, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। हमने कोई गाली-गलौज भी नहीं की थी। अचानक पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। यह ठीक नहीं है।

सीआईडी और रांची पुलिस की छपेमारी के बाद चेयरमैन एल ख्यांगते ने इस्तीफा दे दिया था। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 22 जुलाई को इस्तीफा मंजूर कर लिया था। इसके बाद से उनसे सीआईडी लगातार पूछताछ कर रही थी।

‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है’ के उद्धोष का उद्‌घरण जंतर मंतर और वर्तमान में झारखंड में दिखाई दे रहा है। जंतर मंतर पर हुआ जेन जी के नाम रहा यह पहला आंदोलन अपने पीछे कई सवाल छोड़ गया है। पहला सवाल तो यह कि यह पेपर लोक माफिया देश में विगत कितने वर्षों से सक्रिय रहा होगा। न जाने कितने पेपर लोक के मामले देश में होते रहे होंगे। अब तो देश के आम नागरिक को यह शक होने लगा है कि न जाने कितने लोग इसी बैसाखी का सहारा लेकर ऊपर की सीढ़ियां चढ़े होंगे। यह एक अनुरतिरित प्रश्न आज हर एक नागरिक के जहन में उभर रहा है। इस चाक चौबंद व्यवस्था के भीतर यह माफिया कैसे उभरा, इनको किसका संरक्षण

मिलता रहा है, यह प्रश्न भी विचारणीय है। क्या सत्ता पर बैठे लोग इतने नकारा हैं कि देश की व्यवस्था के भीतर घात लगाए बैठे इन लोगों को पकड़ने में समर्थ नहीं हैं? छात्रों के भीतर का आक्रोश क्या सत्ता को समय रहते समझ नहीं आया? या सत्ता युवाओं के आक्रोश को ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं समझती थी? दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुआ यह छात्र आंदोलन मुख्य रूप से परीक्षाओं में गड़बड़ी और नीट पेपर लोक के

विरोध में आयोजित किया गया। इस आंदोलन की प्रमुख घटना यह थी कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इस दौरान कई दिनों तक आमरण अनशन किया। इस आंदोलन के दौरान सत्ता को यह तो समझ आ गया है कि आज का युवा अपना हक लेने के लिए कितना जागरूक है। अब उसे प्रलोभनों-आश्वासनों से बहलाने का समय नहीं

रहा। युवा का अपने हक के लिए खड़े होना हमें आश्चर्य नहीं है कि आज के युवा किसी झुनझुने से बहलने वाले नहीं। अब सरकारों की प्राथमिकता में युवा और उसके सपने होने चाहिए। अब सरकारों को परीक्षा तंत्र व रोजगार तंत्र को सुदृढ़ करना पड़ेगा वरना युवा वोट सरकारों के हाथों से खिसकता चला जाएगा। इस

आंदोलन को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री को जेन जी से संवाद करना आवश्यक लगा और उन्होंने छात्रों के साथ एक भावनात्मक संवाद भी किया। छात्रों की कई मांगों को मान भी लिया गया है। सरकार ने जब मांगें मानने पर सहमति जताई, तो आंदोलन खत्म हुआ। इस आंदोलन ने देश में शिक्षा प्रणाली, रोजगार, पेपर लोक और भ्रष्ट्यचार जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठया और सत्ता में

लोकतांत्रिक जवाबदेही पर भी बहस तेज की। संभवतः इस आंदोलन का यह हासिल रहा। दूसरी ओर गाली-गलौज और अभद्र भाषा के इस्तेमाल ने इस बहस को भी तेज किया। आंदोलन के दौरान देश के प्रधानमंत्री तक के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग सुनकर कोई भी सभ्य और जिम्मेदार नागरिक इस तरह की भाषा एवं व्यवहार का समर्थन नहीं कर सकता। यह भी एक विचारणीय प्रश्न है, क्यों युवाओं के द्वारा इस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया? इसका उत्तर ही नहीं, हल ढूढना भी परिवार, समाज एवं सत्ता का दायित्व है। झारखंड में आंदोलन अभी भी जारी है। बहरहाल, युवाओं की समस्याओं का समाधान करना सरकारों को प्राथमिकता में रखना होगा।

वयों उबल रही जेन जी?

विक्की चौहान

आजकल चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे ‘गोलमेगोल सम्मेलन’ की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजातन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्तवी पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें ‘आरंभ, प्रचंड’ वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में ‘मूक-बधिर’ छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उम्र, गुजरत समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं। यदि 5 फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में ‘कांकेरोच’ अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में ‘प्रमुख कांकेरोच’ अभिजीत दिपके को ‘तेता’ के तौर पर 12 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान ‘राजनीतिक-या’ रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 3036 ‘नव स्नातकों’ को संबोधित किया, उन्हें ‘युग मंत्र’ की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उम्में ‘भरोसा’ जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य है। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना ‘छत्रों की गुंज’ अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अलग्नी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलोक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उम्में आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उषेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्य...! सरकारी स्कूलों में औसतन 5.1 शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत 11.1 है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब 33 लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढ़ने जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में 69,673 सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं हैं और 46,345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित 55083 स्कूल हैं, जबकि 4.08 लाख सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे हैं, निजी स्कूल के खर्च वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाएं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डटा हैं। हम ऐसे नकारात्मक पक्ष को पेश करने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यही यथार्थ है, जो जेन जी को पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कई बार गिनवाते रहे हैं कि सरकार ने कितने स्कूल, कॉलेज खोले, लेकिन हम विषय के शीर्ष 100 संस्थानों में भी शामिल नहीं हैं। यह हमारी शिक्षा-नीति है। कहने का तात्पर्य यह भी है कि हमारी शिक्षा गुणवत्ता की दृष्टि से ऊंचाई को नहीं छू पाई है।

जेन जी के आंदोलन का हासिल क्या रहा

संपादकीय

जेन जी के आंदोलन का हासिल क्या रहा

संपादकीय

जेन जी के आंदोलन का हासिल क्या रहा

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में 5 अगस्त को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आभाषित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने के संकेत नहीं हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। इससे होम, ऑटो और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इस्टॉलमेंट) नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निःसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमरीकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालांति रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोषिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई हैं, जिससे उर्दक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमरीका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को

अमरीकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमरीका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंताजनक है कि अमरीकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमरीका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 100000 डॉलर (लगभग 85.95 लाख रुपए) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई

तरीह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि अमरीका द्वारा 24 जुलाई से भारत समेत 17 देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। अमरीका ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत यह सख्त कदम उठाया है। इस कार्रवाई का मुख्य कारण उन देशों को बताया गया है, जिनके उत्पादों के निर्माण में जबरन मजदूरी के इस्तेमाल की शिकायतें मिली थीं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी इन विभिन्न कारणों से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में आई 6.9 प्रतिशत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत का विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की

ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निःसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को ‘सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन’ के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को धमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत का विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की

डमी एडमिशन पर रोक लगाना जरूरी

सत्यपाल वशिष्ठ

केन्द्र सरकार ने हाल ही में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन बिल 2026 को संसद से पास करवा दिया, परंतु पेपर्स लोक के अलावा शिक्षा से जुड़े कुछ और अहम मुद्दे हैं जिनमें कोचिंग संस्थान, डमी स्कूल तथा डमी एडमिशन ने हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। वर्तमान स्कूल व्यवस्था को सुधारा जाना इस समय अति आवश्यक है। रैगुलर प्लस वन/प्लस टू की पढ़ाई के साथ ऑनलाइन कोचिंग लेना तो सही है, परंतु डमी एडमिशन लेकर कोचिंग करना स्कूली शिक्षा के उद्देश्य के विपरीत है। कोचिंग संस्थानों ने बच्चों को सिर्फ नीट, जेईई की मानकीकृत परीक्षा पास करने तक ही सीमित कर दिया है। जेईई और नीट के टैस्ट को पास करने के लिए बच्चों को भारी मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है, माता-पिता को कोचिंग के लिए कर्ज उठाना पड़ता है तथा पेपर लोक की घटनाएं भी इसी का हिस्सा हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना

रह गया है जबकि विद्यालय के मूल उद्देश्य ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व और सामाजिक विकास आदि हैं। हर चीज लाभ के लिए ही नहीं होती है, क्योंकि आज लोकतंत्र को मानवता की भी आवश्यकता है। हमारे समाज को अच्छे इंजीनियर और डाक्टर के अलावा देश को दिशा देने वाले भी चाहिए। यही कारण है कि वर्तमान स्कूली व्यवस्था पर गंभीर नीति निर्धारण की आवश्यकता है। दसवीं के बाद घटनाएं भी इसी का हिस्सा हैं। शिक्षा ही कठिन निर्णय होता है क्योंकि यही

कैरियर की राह की पहली सीढ़ी होती है। विषय चुनने के लिए बच्चों से लेकर माता-पिता पसोपेश में रहते हैं। अतः बच्चे माता-पिता के सुझाए अनुसार या अपने शिक्षकों की सलाह पर या फिर दोस्तों की देखादेखी में विषय चुन लेते हैं। बच्चों के माता-पिता और बच्चे खुद विज्ञान संकाय को चुनना पसंद करते हैं। अगर वो विज्ञान संकाय को न चुनें तो ऐसा समझते हैं जैसे वो जीवन में असफल हो जाएंगे। इंजीनियरिंग तथा डॉक्टरी पेशे के अलावा और भी कई क्षेत्र हैं, जिनमें

जाने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बच्चों तथा खुद उन पर जेईई और नीट की परीक्षा पास करने का मानसिक दबाव न रहे। कोचिंग संस्थानों के भी चाहिए कि कोचिंग में प्रवेश से पहले एक परीक्षा का आयोजन कर उन्हीं बच्चों को प्रवेश दें जो जेईई/नीट की परीक्षा पास करने की सामर्थ्य रखते हों। इससे उनका कोचिंग पर किया जाने वाला भारी भरकम खर्चा बच जाएगा, बच्चों पर मानसिक दबाव भी कम होगा और

आत्महत्या करने जैसी वारदातें भी कम होंगी। परिस्थितियों का लाभ उठाकर कोचिंग सेंटर्स ही उन बच्चों को डमी एडमिशन दिला देते हैं। कोचिंग में पढ़ने वाले 50 प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में डमी एडमिशन होता है। यह बच्चे पूरा साल स्कूल नहीं जाते। डमी स्कूलों में से कुछ ही फिटिजकली अस्तित्व में होते हैं, बाकी ऑन पेपर ही होते हैं। यह आज की बड़ी विडंबना है। इसलिए डमी एडमिशन व डमी संस्थान बंद होने चाहिए।

गजब है Russia से India तक Train चलाने का प्रस्ताव

पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिम के बीच रूस ने भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई दिशा देने वाला बड़ा प्रस्ताव सामने रखा है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने मॉस्को से हिंद महासागर तक सीधे रेल संपर्क की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए रूस और भारत के बीच वैकल्पिक जमीनी संपर्क विकसित करना जरूरी हो गया है। रूसी समाचार एजेंसी आरके हवाले से खुसनुलिन ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पहुंचने वाले विकल्पों पर विचार किया जा सकता है और भारत तक पहुंच उपलब्ध कराने वाला कोई भी विकल्प स्वीकार्य होगा।

नीरज कुमार दुवे

देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। खास तौर पर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि किसी एक समुद्री चोकपॉइंट पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी कमजोरी बन सकती है। रूस के इस प्रस्ताव को समझने के लिए मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखना जरूरी है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से बढ़ा। ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाइयों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पर गंभीर असर पड़ा। रिपोर्टों के मुताबिक होर्मुज से होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा प्रभावित हुआ। हम आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इसी तरह तुर्किये के नियंत्रण वाला बोस्फोरस जलडमरूमध्य काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है। ऐसे समुद्री ‘चोकपॉइंट’ किसी भी संकट की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए

गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। यही वजह है कि मॉस्को अब समुद्री मार्गों के साथ-साथ वैकल्पिक स्थलीय व्यापार नेटवर्क विकसित करने पर जोर दे रहा है। भारत इस योजना के केंद्र में क्यों? इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने संभावित रेल मार्ग के अंतिम गंतव्य के रूप में भारत को विशेष महत्व दिया है। यह संयोग नहीं है। भारत और रूस पहले से ही International North-South Transport Corridor (INSTC) के प्रमुख साझेदार हैं। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह बहु-माध्यमीय कॉरिडोर रूस को ईरान और भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना

है। इसमें रेल, सड़क और समुद्री परिवहन का संयोजन शामिल है। मौजूदा व्यवस्था में रूस से आने वाला माल कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंच सकता है। वहां से रेल नेटवर्क के जरिए बंदर अम्ब्यास जैसे बंदरगाहों तक और फिर समुद्री रास्ते से भारत भेजा जा सकता है। पूर्वी शाखा में कजाखस्तान-तुर्कमेनिस्तान-ईरान मार्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से रूसी उप प्रधानमंत्री खुसनुलिन का प्रस्ताव बिल्कुल शून्य से शुरू होने वाली परियोजना नहीं, बल्कि मौजूदा कनेक्टिविटी ढांचे की ओर आगे बढ़ाने की सोच है। लक्ष्य यह हो सकता है कि आने वाले समय में रूस और भारत के बीच माल ढुलाई को ज्यादा तेज, भरोसेमंद

और बहुविकल्पीय बनाया जाए। अभी ‘मॉस्को से भारत’ सीधी ट्रेन नहीं हालांकि इस खबर ने यात्रियों और रेलवे प्रेमियों की कल्पना को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल इसे मॉस्को से दिल्ली या मुंबई तक चलने वाली सीधी यात्री ट्रेन समझना जल्दबाजी होगी। अभी तक रूस या भारत की ओर से इस तरह की यात्री सेवा या पर्यटन केंद्रित ट्रेन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रूसी उप प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का मूल उद्देश्य फ्रेट, लॉजिस्टिक्स और रणनीतिक कनेक्टिविटी है। भौगोलिकसदृश वैसे भी यात्री सेवा शुरू करने में कई व्यावहारिक अड़चनें होंगी जैसे कई देशों के वीजा, अलग-अलग रेल गैज, सीमा और समय-सारिणी का तालमेल तथा यात्री सुविधाओं का अभाव। लेकिन भविष्य की संभावना को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। यदि कॉरिडोर स्थिर, सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनता है तो बाद में यात्री रेल सेवा की संभावना तलाशना संभव होगा। ऐसी ट्रेन यूरोशिया के विशाल भूभाग, मध्य एशिया और ऐतिहासिक सिल्क रूट के शहरों को जोड़ने वाली असाधारण यात्रा बन सकती है। भारत के लिए बड़ा रणनीतिक लाभ वैसे रूस के इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा फायदा भारत को कनेक्टिविटी की रणनीतिक विविधता के रूप में मिल सकता है। भारत की

जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा मौका, 13-14 अगस्त को प्लेसमेंट कैंप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का अच्छा अवसर सामने आया है जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 अगस्त को शासकीय आईटीआई खड़गवां और 14 अगस्त को शासकीय आईटीआई जनकपुर में प्लेसमेंट कैंप आयोजित किया जाएगा। दोनों स्थानों पर कैंप का समय सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है जिला रोजगार कार्यालय के अनुसार प्लेसमेंट कैंप में निजी कंपनी SHRAMIN TElENT PVT. LTD. द्वारा Meter Installation पद के लिए भर्ती की जाएगी कंपनी में कुल 100 पद उपलब्ध हैं इन पदों के लिए आईटीआई 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 18 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा चयनित अभ्यर्थियों का कार्यक्षेत्र एमसीबी जिला रहेगा रोजगार कार्यालय ने बताया कि प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए erojgar.cg.gov.in अथवा Google Play Store पर उपलब्ध CG Rojgar Panjiyan App के माध्यम से पंजीयन कराना अनिवार्य है अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र आधार कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो लाना होगा जिला रोजगार अधिकारी ने जिले के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्लेसमेंट कैंप में पहुंचकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है साथ ही सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से अपने विद्यार्थियों को कैंप की जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है बिना किसी शुल्क के निजी कंपनी में रोजगार पाने का यह अवसर युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रेन से कटने वाले युवक की 2 दिन बाद पहचान दफनाया शव निकाला जाएगा, इंटरसिटी के सामने पटरी पर लेटकर दी थी जान



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रेलवे स्टेशन के पास 5 अगस्त को इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आने से जान गंवाने वाले युवक की पहचान हो गई है मृतक अशोकनगर जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के छपरा गांव निवासी 25 वर्षीय भुजवल जाटव पुत्र चंदन जाटव था। पहचान के बाद पुलिस अब दफनाए गए शव को बाहर निकालकर परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से झुंड थी मौत: 5 अगस्त की रात गाड़ी संख्या 12197 इंटरसिटी के चालक ने शिवपुरी रेलवे स्टेशन प्रबंधन को सूचना दी थी चालक के अनुसार, SVPL-PARM के बीच किलोमीटर नंबर 1196/13-15 पर एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर लेटा था। चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन युवक ट्रेन की चपेट में आ गया उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना के समय युवक की पहचान नहीं हो सकी थी। इसके चलते कोतवाली पुलिस ने करीब दो दिन पहले शव का पोस्टमार्टम करया और उसे दफना दिया था।

परिजन ने पहुंचकर की शव की पहचान: सोमवार को सूचना मिलने पर भुजवल के परिजन कोतवाली पहुंचे। यहां उन्होंने शव की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

एक साल पहले मजदूरी के लिए ग्वालियर गया था भुजवल की मां देवकी जाटव ने बताया कि करीब एक साल पहले एक ठेकेदार उनके बेटे को मजदूरी दिलाने के बहाने ग्वालियर ले गया था। वहां भुजवल एक होटल में काम करने लगा। करीब तीन महीने पहले वह घर आया था और इसके बाद फिर ग्वालियर चला गया पिछले कुछ दिनों से भुजवल से फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा था। परिवार ने लगातार उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद उन्हें उसकी मौत की सूचना मिली।

ग्वालियर से शिवपुरी कैसे पहुंचा अभी नहीं हुआ स्पष्ट: भुजवल ग्वालियर से शिवपुरी कैसे पहुंचा या वह इंटरसिटी ट्रेन में सवार होकर आया था, यह अभी स्पष्ट नहीं है चालक के बयान के अनुसार, रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर युवक ट्रेन को देखकर पटरी पर लेट गया था चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश की लेकिन उससे बचाया नहीं जा सका भुजवल ने आत्महत्या क्यों की इसका कारण भी अभी स्पष्ट नहीं है उसकी मां ने होटल संचालक या ठेकेदार द्वारा बेटे को परेशान किए जाने की आशंका जताई है पहचान होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार डंपर ने गायों के झुंड को कुचला: ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम एक गंभीर घायल 5 गायों की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अमोला थाना क्षेत्र में रामपुर गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे बैठे गायों के झुंड को कुचल दिया। हादसे में मौके पर ही पांच गायों की मौत हो गई। एक गाय गंभीर रूप से घायल हुई है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने अमोला क्रेशर-नरवर सड़क पर जाम लगा दिया ग्रामीणों के अनुसार, डंपर चालक तेज गति से वाहन चला रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे बैठे गायों के झुंड को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर की नंबर प्लेट भी मौके पर गिर गई।

पुलिस के आशवासन के बाद हटाया जाम: घटना की सूचना मिलते ही अमोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आशवासन दिया इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क से जाम हटा दिया पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है पुलिस डंपर चालक की पहचान करने के साथ हादसे की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगा रही है बारिश में सड़क किनारे बैठता है गोवंश ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों और उनके किनारे बैठ जाता है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों से हादसे का खतरा बना रहता है।

180 मजदूरों को डेढ़ महीने से नहीं मिली मजदूरी, 92 लाख का भुगतान अटका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में मेडिकल कॉलेज के पीछे बन रही शहरी आवास योजना में काम कर रहे करीब 180 मजदूरों को डेढ़ महीने से मजदूरी नहीं मिली है भुगतान की मांग को लेकर सोमवार शाम मजदूर एक्सिस बैंक पहुंचे और प्रदर्शन किया मजदूरों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा लगातार बैंक से भुगतान नहीं आने की बात कहकर उन्हें तलाज जा रहा है दमोह निवासी मजदूर लाल राठौर ने बताया कि वे ठेकेदार गुलशन जैन के माध्यम से निर्माणाधीन कॉलोनी में काम कर रहे हैं लंबे समय से मजदूरी नहीं मिलने के कारण मजदूर आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं प्रोजेक्ट डायरेक्टर रूपेश ठाकुर के अनुसार मजदूरों के भुगतान के लिए करीब 92 लाख रुपए की NEFT 20 जुलाई को बैंक में जमा की गई थी लेकिन अब तक राशि मजदूरों के खातों में नहीं पहुंची बैंक ने भुगतान में देरी की वजह सीएमएओ के हस्ताक्षर से जुड़ी समस्या बताई थी सीएमओ यशवंत राठौर ने बताया कि बैंक की जानकारी के बाद उन्होंने करीब 10 दिन पहले अपने हस्ताक्षर अपडेट करा दिए हैं।

नशा मुक्ति अभियान में पत्रकारिता की भूमिका निर्णायक, कुरीतियों को उजागर कर युवाओं को दें सकारात्मक दिशा : मधुकर द्विवेदी



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता का मूल दायित्व केवल घटनाओं की जानकारी देना नहीं बल्कि समाज के सामने सही तथ्य रखना जनहित के मुद्दों को आवाज देना और व्यवस्था को उसके दायित्वों के प्रति जवाबदेह बनाना है उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है मीडिया को नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं के सामने सकारात्मक विकल्प, प्रेरणादायक उदाहरण और सही दिशा भी प्रस्तुत करनी चाहिए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा रविवार को मनेंद्रगढ़ में पत्रकारों के लिए आयोजित एक दिवसीय



क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला-सह-संवाद कार्यक्रम वार्तालाप में द्विवेदी ने पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी और नशा मुक्ति अभियान में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए कार्यशाला का मुख्य विषय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान था द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों तथ्यों और जनविश्वास में निहित है एक पत्रकार की कलम केवल समाचार नहीं लिखती बल्कि जनमत का

निर्माण करती है समाज में चेतना पैदा करती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता एवं व्यवस्था से सवाल भी करती है। उन्होंने कहा कि जब समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित रूप से नहीं कर पा रही हों, तब पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पत्रकार के पास समाज के सामने सच रखने और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाने की विशेष शक्ति है पत्रकारिता की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए द्विवेदी ने

अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी और 'वॉशिंगटन पोस्ट' से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि निर्भीक, तथ्यपरक और प्रभावशाली पत्रकारिता सत्ता के सर्वोच्च स्तर तक को प्रभावित कर सकती है यदि पत्रकारिता किसी जनहित के मुद्दे को पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ उठाती हैझूठ तो उसकी आवाज दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर बैठे व्यक्ति तक भी पहुंच सकती है और उसे जवाबदेह बनाने की क्षमता रखती

है उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को केवल समाचार को प्रमुखता दिलाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए समाज के उन मुद्दों को सामने लाना भी पत्रकारिता का दायित्व है जिन पर व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है नशे की समस्या को इसी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है यह केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए और इसके संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है द्विवेदी ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम या समाचार की विषय-वस्तु मानने के बजाय इसे व्यापक सामाजिक आंदोलन के रूप में देखने की आवश्यकता है मीडिया इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है पत्रकार नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण

जैसे सकारात्मक विकल्पों से जोड़ने वाली खबरों और कहानियों को भी प्रमुखता दें उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों को लेकर समाज में निरंतर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। इसके लिए तथ्यपरक और संवेदनशील पत्रकारिता जरूरी है नशा मुक्ति से जुड़ी सरकारी योजनाओं सहायता एवं पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना भी मीडिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि अपवाहों और भ्रामक सूचनाओं के दौर में पत्रकारों को तथ्यों की पुष्टि कर ही समाचार प्रकाशित करना चाहिए क्योंकि गलत सूचना नशा मुक्ति जैसे संवेदनशील अभियान के उद्देश्यों को प्रभावित कर सकती है वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि एक पत्रकार की कलम समाज की दिशा प्रभावित करने की क्षमता रखती है इसलिए पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना नहीं बल्कि ऐसी खबरों को सामने लाना भी होना चाहिए जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण, परेड को देंगे सलामी

आमा खेरवा ग्राउंड में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संदेश का होगा वाचन



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में राष्ट्रभक्ति, गौरव और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ स्थित आमाखेरवा ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित किया जाएगा राज्य शासन द्वारा जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार छत्तीसगढ़

शासन के कैबिनेट मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा ध्वजारोहण किया जाना जिलेवासियों के लिए गौरव का अवसर होगा अपने गृह विभासभा क्षेत्र में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में वे राष्ट्रध्वज फहराकर देश की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समान प्रवृत्त करेंगे मंत्री जायसवाल छत्तीसगढ़ शासन में

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व संभाल रहे हैं मुख्यमंत्री के संदेश का होगा वाचन मुख्य समारोह में ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा परेड की निरीक्षण किया जाएगा तथा परेड की सलामी ली जाएगी। इसके बाद वे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश का वाचन करेंगे समारोह के दौरान राष्ट्रध्वज सहित देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे राष्ट्रीयोत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के

उपलक्ष्य में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त करेंगे विकास की झांकियों में दिखेगी जिले की उपलब्धियों स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं विकास कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन झांकियों के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जिले में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी।

आधी रात रेत से भरा डंपर पकड़ा, वैध दस्तावेज नहीं मिले

राजस्व, खनिज और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई चालक पर मामला दर्ज, खदानों पर पहुंची टीम तो मशीनें और ट्रैक्टर गायब मिले

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। तवा और नर्मदा नदी से रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की शिकायतों के बीच राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने रविवार आधी रात कार्रवाई की टीम ने जिंदबाबा मंदिर के पास रेत से भरा डंपर क्रमांक MP 49 H 1166 पकड़ा रात करीब 1.45 बजे डंपर रोककर उसकी रेत से संबंधित दस्तावेज और रॉयल्टी मांगी गई। जांच में सामने आया कि डंपर में ग्राम मनवाड़ा, तहसील माखननगर से रेत भरकर लाई जा रही थी जांच के दौरान रेत के वैध दस्तावेज और रॉयल्टी प्रस्तुत नहीं की जा सकी डंपर पकड़े जाने की सूचना पर उसका मालिक नमन परिहार भी मौके पर पहुंचा अधिकारियों को उसने बताया कि वह डिवाइन सिटी में रहता है और खुद को लक्ष्मण सिंह बेस का भतीजा बताया नमन ने दावा किया कि



उसके स्टॉक से रेत उठाकर दूसरे स्थान पर ले जाई जा रही थी। हालांकि वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर एसडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह ने डंपर को देहात थाने भेजने और रेत चोरी का प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए डंपर पकड़े जाने के करीब 18 घंटे बाद रात 8.20 बजे पुलिस ने

चालक हरिओम गोस्वामी निवासी ग्राम गुजरवाड़ा बाबाई के खिलाफ मामला दर्ज किया पुलिस मामले की जांच कर रही है संयुक्त टीम डोंगरवाड़ा जासलपुर और निमसाड़िया क्षेत्र की रेत खदानों पर भी पहुंची लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही मजदूर जेसीबी लोडर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मौके से गायब हो चुकी थीं खदानें सुनसान मिलीं अधिकारियों को आशंका है कि कार्रवाई की भनक पहले ही रेत माफिया तक पहुंच गई थी सप्तस बुधनी की ओर भेजी जा रही रेत स्थानीय स्तर पर आरोप है कि नर्मदा नदी से रात के समय रेत निकालकर नर्मदा पुल पार बुधनी क्षेत्र की ओर ले जाई जाती है पुल के पास ढाबों के आसपास रेत खाली किए जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं प्रशासन ने अवैध खानों और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

बेटियों ने दिखाया खेल का हुनर, खेल एवं युवा दिवस पर शा. उ. माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा में गूंजा उत्साह का माहौल

कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी, 100 मीटर और लंगड़ी दौड़ में बालिकाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, विजेताओं को मिला पुरस्कार



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बेटों बचाओ-बेटों पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा में आज खेल एवं युवा दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का

उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा उन्हें शिक्षा के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा आयोजन में विद्यालय की बालिकाओं ने पूरे उत्साह

और उमंग के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर सुश्री संतान देवी जांगड़े के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण केंद्र हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा द्वारा किया गया आयोजन के दौरान बालिकाओं के लिए कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी 100 मीटर दौड़, लंगड़ी दौड़ सहित विभिन्न मनोरंजन एवं प्रतियुष्थात्मक खेलों का आयोजन किया गया खेल प्रतियोगिताओं में बालिकाओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया मैदान में बालिकाओं की उमंग,

उत्साह और प्रतिस्पर्धा ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। खेलों के माध्यम से बालिकाओं ने न केवल अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया बल्कि टीम भावना अनुशासन आत्मविश्वास और एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाने की भावना का भी परिचय दिया कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिकाओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया आयोजकों ने अन्य छात्राओं को भी खेल गतिविधियों में निरंतर भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया

कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण से अंजनी यादव सबी वन स्टॉप सेंटर से प्रियंका राजवाड़े तथा महिला सशक्तिकरण केंद्र से अनिता कुमारी शाह ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन शिक्षा विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा भी आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी उनके सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है खेल बालिकाओं में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन और नेतृत्व कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

सागर में मिलावट के शक में 58.5 लीटर घी जब्त, दो दुकानों से सैपल लिए, खाद्य विभाग ने 261 जार कब्जे में लिए



मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य विभाग ने मिलावट के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इसी के चलते खाद्य विभाग की टीम ने रविवार को तुलसीनगर वार्ड स्थित कृष्णा इंटरप्राइजेस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फर्म से गोवर्धन प्योर काऊ घी के खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत सैपल लिए गए। संदेह के आधार पर 500 एमएल के 36 जार (कुल 18 लीटर) घी जब्त किया गया है। जब्त घी के नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। इससे पहले विभाग ने पुजा सेल्स पर जांच की। जांच के दौरान मौके पर धूलपूर फ्रेश घी मिला, संदेह के आधार पर घी के सैपल लिए गए। साथ ही मौके से 225 जार कुल साढ़े 40 लीटर घी जब्त किया गया।

सैपल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी: खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह ने बताया कि जिले में शुद्ध खाद्य पदार्थों की उपलब्धता करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल लगातार प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई कर रहे हैं। कार्रवाई में लिए गए सैपल जांच के लिए लैब भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद मामलों में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीना में पौने 4 इंच, राहतगढ़ में 3 इंच बारिश, सागर में अब तक 17.9 इंच औसत बारिश, सामान्य से 63 प्रतिशत कम पानी गिरा



मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर जिले में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। रविवार को दिन भर चली बारिश के बाद रात में पानी रुका। सोमवार सुबह से आसमान में बादल छाए हैं। लगातार हुई बारिश से दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में जिले के बीना में पौने 4 इंच पानी गिरा। राहतगढ़ में 3 इंच, जैसीनगर, देवरी में 2 इंच, सागर, खुरई में 1 इंच से अधिक बारिश हुई। इसके साथ ही बंडा, शाहाद, रहली, केसली, गढ़ाकोटा में भी पानी गिरा है। इस दौरान कुल 39.4 मिमी यानी 1.5 इंच औसत बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से लो प्रेशर एरिया बन गया है जो आने वाले दिनों में और मजबूत होगा। इसके प्रभाव से मध्यप्रदेश के कई जिलों में आगामी दिनों में तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है। जिले में आगामी 24 घंटे बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

छतरपुर में ई-रिक्शा पलटा, दुकानदार की मौत, सामान लेने आ रहे 45 वर्षीय बलराम नामदेव के सिर में गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर-बमीड थाना क्षेत्र के ग्राम गंज निवासी 45 वर्षीय दुकानदार बलराम नामदेव की रविवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना **छतरपुर-महोबा रोड** पर फोरलेन पुल के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में बलराम नामदेव के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बलराम नामदेव ग्राम गंज में रहते थे और एक धार्मिक स्थल पर दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार सुबह लगभग 9 बजे, वे अपनी दुकान का सामान खरीदने के लिए छतरपुर आ रहे थे। उन्होंने गांव के ही भवानीदीन पाल का ई-रिक्शा किराए पर लिया था। ई-रिक्शा जैसे ही छतरपुर से महोबा रोड स्थित फोरलेन पुल के पास पहुंचा, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार के कारण ई-रिक्शा सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में बलराम नामदेव का सिर सड़क से टकरा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की सहायता से बलराम नामदेव को गंभीर हालत में छतरपुर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया।

छतरपुर में रेलवे पुल के पास मिला इंजीनियर का शव, बेंगलुरु में नौकरी करते थे,ट्रेन की चपेट में आने की आशंका

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर में अग्रवाल साइकिल स्टोर के संचालक राजेश अग्रवाल के 28 वर्षीय पुत्र इंजीनियर ईशान अग्रवाल का रविवार रात निधन हो गया। उनका शव सटई रोड स्थित रेलवे पुल के पास मिला। ईशान बेंगलुरु में नौकरी करते थे और पिछले दो-तीन महीने से छतरपुर में रहकर वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ईशान का शव रविवार रात रेलवे पुल के पास मिला। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है।

उफान पर घोड़ा पछाड़ नदी, एक-दर्जन गांवों का संपर्क टूटा

● अंबाड़ी-डोला घाट मार्ग की 24 लाख की पुलिया क्षतिग्रस्त

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। दीवानगंज क्षेत्र में रातभर हुई तेज बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मुस्काबाद और ग्राम सती के बीच स्थित घोड़ा पछाड़ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। नदी का पानी पुल से करीब 8 फीट ऊपर बहने लगा, जिसके चलते पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। तेज बहाव के कारण आसपास के करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूट गया है। करीब 20 दिनों के अंतराल के बाद हुई इस तेज बारिश से किसानों को राहत मिली है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ते बंद होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्रशासन ने लोगों से उफनती नदियों और नालों को पार नहीं करने और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

घोड़ा पछाड़ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा: रातभर हुई तेज बारिश का असर क्षेत्र की ` और नालों पर दिखाई दिया। मुस्काबाद और ग्राम सती के बीच बहने वाली घोड़ा पछाड़ नदी में अचानक पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुल से करीब 8 फीट ऊपर तक पानी का



तेज बहाव देखने को मिला। पानी की रफ्तार को देखते हुए पुल से वाहनों और लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है।

करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूटा: घोड़ा पछाड़ नदी के पुल पर पानी आने के कारण आसपास के करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों के लिए इस मार्ग से आवागमन करना फिलहाल संभव नहीं है। तेज बहाव के कारण पुल से होकर निकलना ज़ोरि़म भरा हो गया है। ऐसे में लोगों को रास्ता खुलने तक इंतजार करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से भी ग्रामीणों को उफनते पानी के बीच पुल पार

नहीं करने की सलाह दी गई है।
20 दिन बाद हुई तेज बारिश से किसानों को राहत: क्षेत्र में करीब 20 दिनों के अंतराल के बाद तेज बारिश हुई है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। खेतों में फसलों को पानी मिलने से किसानों की चिंता कुछ कम हुई है। हालांकि, इस बार मानसून के दौरान यह पहली बार है जब क्षेत्र की नदियां और नाले इस तरह उफान पर पहुंचे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जहां किसानों को राहत मिली, वहीं आवागमन की समस्या भी खड़ी हो गई है।

रायसेन में रातभर तेज बारिश, नदी-नाले उफान पर

निचले इलाकों में भरा पानी, धान फसल को राहत, बारिश अब भी सामान्य से कम

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में शुक्रवार से रुक-रुककर हो रही बारिश ने रविवार रात से सोमवार सुबह तक जोर पकड़ लिया। रातभर हुई तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए और शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर जलभराव के कारण सुबह लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। हालांकि, लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है।

शहर के हार्डसिंग बोर्ड, दशहरा मैदान, सब्जी मंडी, खेल मैदान, रामलीला मैदान, शीतल सिटी और वार्ड नंबर 15 समेत कई इलाकों में पानी भर गया। सुबह बारिश के बीच स्कूली बच्चे छाता और रेनकोट के सहारे स्कूल पहुंचे।

मंडिया बांध का पानी खेतों तक पहुंचा: बेगमगंज क्षेत्र में स्थित मंडिया



बांध में लगातार बारिश के बाद जलस्तर बढ़ गया। बांध का पानी आसपास के खेतों तक पहुंच गया। वहीं, जिले के कई अन्य नदी-नाले भी उफान पर हैं। इससे कुछ क्षेत्रों में सड़क

धान की फसल को पर्याप्त पानी मिलने से किसानों ने राहत की सांस ली। खेतों में पानी पहुंचने के बाद किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आई।

सामान्य से 26.71 इंच कम बारिश: जिले में 1 जून से 9 अगस्त तक औसतन 20.42 इंच बारिश दर्ज की गई है। इस अवधि में सामान्य औसत 47.13 इंच बारिश होना चाहिए। यानी जिले में अब तक सामान्य से 26.71 इंच कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश की तुलना में अब तक सिर्फ 43.3% बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि तक जिले में 41.56 इंच बारिश हो चुकी थी। इस लिहाज से इस साल अब तक पिछले साल की तुलना में 21.13 इंच कम बारिश हुई है। हालांकि, रविवार रात से सोमवार सुबह तक हुई तेज बारिश ने किसानों और आम लोगों को कुछ राहत जरूर दी है।

खरगोन में एक सप्ताह बाद लौटी बारिश

अब तक 18.4 इंच पानी बरसा, देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो, निचले इलाकों में अलर्ट



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में एक सप्ताह के अंतराल के बाद सोमवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हुई। इस दौरान बच्चे छाता लेकर स्कूल जाते दिखे। कुकडोल में खराब रास्ते से जूझते भीगते पहुंचे। मानसून सीजन में अब तक कुल 18.4 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो जिले की वार्षिक औसत 32.6 इंच बारिश का

55.4 प्रतिशत है। पिछले साल इसी अवधि तक 12.2 इंच बारिश हुई थी। इस प्रकार, इस वर्ष अब तक पिछले साल की तुलना में छाता लेकर स्कूल जाते दिखे। कुकडोल में खराब रास्ते से जूझते भीगते पहुंचे। मानसून सीजन में अब तक कुल 18.4 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो जिले की वार्षिक औसत 32.6 इंच बारिश का

आगामी दिनों में बारिश जारी रहती है, तो फसलों की बढ़वार और उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो हो रहा: सतपुड़ा के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण नदियों और जलाशयों में पानी की आवक बढ़ गई है। कुंदा नदी में तेज बहाव के चलते देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो हो रहा है। अपरवेदा जलाशय का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है। जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (NVDA) पिछले पांच दिनों से रात में एक गेट 20 से 75 सेंटीमीटर तक खोल रहा है, जिससे लगभग 1.1 मीटर क्षमता खाली रखी जा सके। सोमवार सुबह 10 बजे जलाशय का जलस्तर 315.800 मीटर दर्ज किया गया। एहतियात के तौर पर, निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने जलाशय और नदी किनारे के क्षेत्रों में निवासियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

रूठा मानसून सावन सोमवार के दिन बरसा

खंडवा में रिमझिम बारिश, बादल छाप, तेज बारिश के बाद लंबा ब्रेक, तालाब सूखे पड़े

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। सावन में बारिश का इंतजार कर रहे खंडवा जिले में सोमवार सुबह मौसम ने करवट ली। सावन सोमवार के दिन रूठे मानसून ने जिले के कुछ हिस्सों में राहत की फुहार दी। पिछले 24 घंटे में खंडवा तहसील में 7 मिमी और नया हरसूद में 2 मिमी बारिश दर्ज की गई। हालांकि पंधाना, पुनासा और खालवा में बारिश नहीं हुई। पूरे जिले में औसत 1.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। पिछले कुछ दिनों से जिले में आसमान पर बादल छाप थे, लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। सावन की शुरुआत में दो दिन अच्छी बारिश के बाद मानसून कमजोर पड़ गया था। पिछले 10 दिनों में सिर्फ 37.8 मिमी बारिश हुई थी। ऐसे में सोमवार सुबह हुई हल्की बारिश ने लोगों को थोड़ी राहत दी।

मानसून ने वापसी नहीं की, बारिश का दौर कमजोर: मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी होगी कि मानसून की वापसी हो गई है। फिलहाल मानसून सक्रिय जरूर है, लेकिन जिले में बारिश का दौर कमजोर है। सोमवार सुबह जिले के कुछ हिस्सों में



बारिश हुई। अब आगे अच्छी बारिश के लिए नए सिस्टम का इंतजार रहेगा। बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बूंदबांदी की संभावना बनी रह सकती है।
कुल बारिश में स्थिति अच्छी, लेकिन सप्ताई असमान: इस साल जिले में अब

तक 454.6 मिमी औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल 10 अगस्त तक 329.6 मिमी औसत बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक 125 मिमी अधिक बारिश दर्ज की गई है। हालांकि कुल आंकड़ा बेहतर होने के

मध्यदेश

● पहली बार इस मानसून में नदियां-नाले उफने... स्थानीय स्तर पर इस मानसून में पहली बार क्षेत्र की नदियों और नालों में इतना पानी आया है कि उनका बहाव तेज हो गया और रास्तों पर असर पड़ा। घोड़ा पछाड़ नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने के कारण रास्ता बंद करना पड़ा। ग्रामीण इलाकों में नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।
● **अंबाड़ी के डोला घाट की पुलिया भी क्षतिग्रस्त...** इसी बीच अंबाड़ी के डोला घाट मार्ग पर बनी पुलिया भी तेज बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। करीब 24 लाख रुपये की लागत से इस पुलिया का निर्माण लगभग दो साल पहले किया गया था। तेज बारिश के कारण पुलिया के आसपास की मिट्टी बह गई। इससे पुलिया की स्थिति प्रभावित हुई है और इस मार्ग पर भी आवागमन बाधित होने की आशंका बनी हुई है।
● **दो साल में ही पुलिया के आसपास की मिट्टी बही...** अंबाड़ी के डोला घाट मार्ग की पुलिया को बने अभी करीब दो साल ही हुए हैं। तेज बारिश के बाद इसके आसपास की मिट्टी बह जाने से पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। इससे स्थानीय लोगों में चिंता है कि अगर बारिश का दौर जारी रहा तो पुलिया को और नुकसान हो सकता है और मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ सकता है।
● **2006 में भी बारिश में बह गई थी पुलिया...** स्थानीय निवासियों के अनुसार, वर्ष 2006 में भी इसी मार्ग पर बनी एक पुलिया बारिश के दौरान बह गई थी। इसके बाद ग्रामीणों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब 20 साल के इंतजार के बाद इस मार्ग पर नई पुलिया का निर्माण किया गया था। लोगों को उम्मीद थी कि नई पुलिया बनने से बारिश के दिनों में रास्ते की समस्या दूर हो जाएगी।
● **20 साल बाद बनी पुलिया फिर परेशानी में...**नई पुलिया बनने के करीब दो साल बाद ही तेज बारिश में इसके आसपास की मिट्टी बह गई और पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। इससे एक बार फिर रास्ता बंद होने की स्थिति बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया को लेकर लंबे समय तक इंतजार करने के बाद निर्माण हुआ था, लेकिन अब दो साल में ही इसके आसपास की मिट्टी बहने से इसकी मजबूती और निर्माण की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।
● **प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने कहा...** नदी और पुलिया दोनों जगह की स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। लोगों से उफनती नदियों और नालों को पार नहीं करने की अपील की गई है।

नेपानगर में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, बीमारी से थी परेशान, घर के पिछले कमरे में फंदे पर मिली

मीडिया ऑडीटर, बुलहानपुर (निप्र)। बुलहानपुर के नेपानगर में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीमारी के चलते अपने भाई के साथ किराए के मकान में रह रही थी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान कौशल बाई के रूप में हुई है, जिसका विवाह दो साल पहले पाचौरी निवासी शांतिलाल से हुआ था। नेपानगर थाना प्रभारी शहाबुद्दीन कुरैशी के अनुसार, मिसकैरेज के कारण महिला की तबीयत खराब रहती थी। करीब दो माह पहले कौशल बाई का भाई मुकेश विश्राम सोलंकी उसे इलाज के लिए नेपानगर ले आया था। वे वार्ड नंबर 16 में किराए के मकान में अपने दो भतीजों के साथ रह रहे थे। शनिवार सुबह 7:30 बजे मुकेश काम पर चला गया। दोपहर में जब मुकेश खाना खाने घर लौटा, तो बहन नहीं मिली। तलाश करने पर वह घर के पिछले कमरे में टीन की छत पर लगे लोहे के एंगल से फांसी पर लटकती मिली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तहसीलदार द्वारा पंचनामा बनवाया गया। रविवार को पुलिस ने इस मामले में आगे की कार्रवाई पूरी की।



नर्मदापुरम जिले में सावन की झड़ी 24 घंटे में 3.85 इंच बारिश तवा डैम का जलस्तर 5.4 फीट बढ़ा, ऑरेंज अलर्ट जारी

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले मानसून सक्रिय हो गया है। 24 घंटे से सावन की झड़ी लगी है। झमाझम बारिश से जिला तरबतर हो गया है। जिले में सबसे ज्यादा सोहागपुर में 5 इंच, इटारसी में 4.88 इंच, नर्मदापुरम में 4.85 इंच बारिश दर्ज की गई। हिल स्टेशन पचमढ़ी में 3.42 इंच पानी गिरा है। जिलेभर में औसतन 3.85 इंच बारिश दर्ज हुई है। लगातार हो रही बारिश से तवा डैम में एक दिन में 5.4 फीट और नर्मदा नदी में 2.2 फीट पानी बढ़ा है। सोमवार को भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रविवार सुबह से बारिश का दौर शुरू हुआ, जो सोमवार को भी जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कल (मंगलवार) से अति-भारी बारिश के दौर में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 13 अगस्त तक जिले में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश का दौर



लगातार बना रहेगा।

बारिश होने से क्षेत्र में धान और सोयाबीन सहित अन्य फसलों को लाभ हुआ है। किसान खुश हैं। पिछले साल के मुकाबले इस साल मानसून सीजन में आधी बारिश दर्ज हुई है।

मानसून ट्रफ लाइन, महाराष्ट्र में बने चक्रवात का असर: मौसम वैज्ञानिक पीके रैकवार के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण और कम दबाव का

क्षेत्र सक्रिय होने के कारण जिले में अगले कुछ दिनों तक बारिश और झंझावात की संभावना जिले में बनी हुई है। प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्से से होकर एक मानसून ट्रफ लाइन गुजर रही है। साथ ही महाराष्ट्र के दक्षिणी। क्षणी हिस्से में एक ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना हुआ है। जिसके प्रभाव के कारण प्रदेश के अन्य हिस्सों सहित नर्मदापुरम में बारिश की स्थितियां अनुकूल बनी हैं।

● **सोमवार की बारिश में भी सभी तहसीलें नहीं भीगीं**

पिछले 24 घंटे के आंकड़ों के मुताबिक खंडवा में 7 मिमी और हरसूद में 2 मिमी बारिश हुई। वहीं पंधाना, पुनासा और खालवा तहसील में बारिश दर्ज नहीं हुई। जिले की औसत बारिश 1.8 मिमी रही। यानी सावन सोमवार को बारिश ने दस्तक तो दी, लेकिन पूरे जिले में एक साथ अच्छी बारिश नहीं हुई।

● **जलस्रोतों की स्थिति फिलहाल बेहतर**

शुरुआती अच्छी बारिश का असर जिले के जलस्रोतों पर दिखाई दे रहा है। सुक्ता बांध का जलस्तर 409.09 मीटर पहुंच गया। बांध की क्षमता 410.57 मीटर है। अगस्त में इसमें 409.95 मीटर तक पानी रखने का प्रावधान है। जिले के छोटे तालाबों में भी बारिश से पानी की आवक हुई है। 47 छोटे तालाबों में से कई पूरी क्षमता तक पहुंच चुके हैं। इससे फिलहाल सिंचाई और पेयजल के लिहाज से स्थिति राहत वाली बनी हुई है।

● **किसानों की नजर अब अगली बारिश पर**

सावन में बारिश का लंबा अंतराल किसानों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। खरीफ फसलों को इस समय नियमित बारिश की जरूरत है। शुरुआती बारिश से खेतों में नमी बनी थी, लेकिन लगातार बारिश नहीं होने से अब किसानों की नजर आसमान पर है।

बावजूद बारिश का वितरण समान नहीं रहा है। सावन के दौरान लगातार बारिश की उम्मीद मानसून की शुरुआत में हुई तेज बारिश के कर रहे किसानों और आम लोगों को अब भी बाद लंबा ब्रेक आया है। यही वजह है कि अच्छी बारिश का इंतजार है।



अशिमता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता

:बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त- अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बहुत हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी-

अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मेश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता

और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद अशिमता की वापसी- अंतिम गेम की



11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक

शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं।

अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी- अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिसकस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने BWF टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं। वर्ल्ड नंबर-50 अशिमता गुवाहाटी स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पार्क ग्राए-सांग से ट्रेनिंग लेती हैं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल:चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला

गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे



नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। ऋषट्ठू ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेंगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया

ऋषट्ठू ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित ऋषट्ठू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छहश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगुठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौर पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया

श्रीलंका दौर से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर हेमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हेमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाइसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं। नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली एजेंसी। WWE के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लेम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को डिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार



के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में रब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली एजेंसी। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरू होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।



भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनो गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम वाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी

वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में KL राहुल ने कप्तानी की। BCCI ने अपने बयान में कहा था- 'एहतियात के तौर पर गिल श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।' जडेजा और बरार ने 2-2 विकेट लिए श्रीलंका-XI की दूसरी पारी में निशान फर्नांडो ने 63 रन बनाए, जबकि निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन का योगदान दिया। रमेश मैडिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला।

पडिक्कल ने नाबाद 142 रन बनाए- भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली।

55 साल में पूरी तरह बदल गया वनडे क्रिकेट

60 ओवर से 50 ओवर तक पहुंचा; डे-नाइट मैच और सुपर ओवर...हर बड़े बदलाव की कहानी

नई दिल्ली एजेंसी। 5 जनवरी 1971 को बारिश से धुले एक टेस्ट मैच की भरपाई के लिए शुरू हुआ वनडे फॉर्मेट आज मैचों की संख्या के लिहाज से क्रिकेट का सबसे बड़ा फॉर्मेट बन चुका है।

इन 55 सालों में क्रिकेट के सबसे ज्यादा प्रयोग भी इसी फॉर्मेट में हुए। तीसरे अंपायर से लेकर डे-नाइट क्रिकेट, सफेद गेंद, पावरप्ले, DRS, DLS और सुपर ओवर तक लगभग हर बड़ा बदलाव सबसे पहले वनडे में ही लागू हुआ। 5 चैप्टर में वनडे क्रिकेट के बदलने की कहानी...

रद्द टेस्ट मैच से हुई थी वनडे की शुरुआत- पहला वनडे 5 जनवरी 1971 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इंग्लैंड दौरे का तीसरा टेस्ट लगातार चार दिन बारिश में धुल गया था। दर्शकों को खाली हाथ लौटने से बचाने के लिए आखिरी दिन 40-40 ओवर का एक सीमित ओवर मैच कराया गया। उस समय खिलाड़ियों ने सफेद कपड़े पहने थे और लाल गेंद से मैच खेला गया। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय फॉर्मेट्स में से एक की शुरुआत होगी।

25 साल तक वनडे का कोई तय फॉर्मेट ही नहीं था- आज 50 ओवर का वनडे सामान्य बात है, लेकिन शुरुआत में ऐसा नहीं था। पहला वनडे 40-40 ओवर का था और उसमें 8 गेंद का ओवर होता था। इंग्लैंड 55 ओवर के मैच कराता था, जबकि 1975 और 1979 के पहले दो वर्ल्ड कप 60 ओवर के हुए। न्यूजीलैंड में 35 ओवर, वेस्टइंडीज में 45 ओवर और पाकिस्तान में अलग-अलग समय पर 35, 40 और 50 ओवर के मुकाबले खेले गए। शुरुआती दौर में हर देश अपनी



सुविधा और दिन के उजाले के हिसाब से ओवर तय करता था। बाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में समानता लाने के लिए 50 ओवर का फॉर्मेट अपनाया गया। 1978 में वेस्टइंडीज पहला देश बना जिसने 50 ओवर के वनडे कराए। फिर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इसे अपनाया। 1987 का वर्ल्ड कप पहली बार 50 ओवर का हुआ, लेकिन तब भी इंग्लैंड 55 ओवर के वनडे खेलता रहा। आखिरकार 1996 वर्ल्ड कप के बाद पूरी दुनिया में 50 ओवर का फॉर्मेट लागू हो गया।

केरी पैकर विवाद ने क्रिकेट की तस्वीर बदल दी- 1977 में ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कारोबारी केरी पैकर

ने वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट (WSC) शुरू की। उन्होंने दुनिया के बड़े खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट पर लेकर अलग टूर्नामेंट कराया। इसमें सभी बड़े खिलाड़ियों ने पेट्रल रॉकों की जर्सी पहनी। इस सीरीज के बाद क्रिकेट में तीन बदलाव आए। रंगीन जर्सी : 1978-79 सीजन में पहली बार टीमें रंगीन जर्सी पहनकर मैदान पर उतरीं। ऑस्ट्रेलिया ने पीली, वेस्टइंडीज ने गुलाबी और वर्ल्ड-11 ने नीली जर्सी पहनी।

डे-नाइट मैच : WSC में पहली बार फ्लडलाइट्स में डे-नाइट मैच खेले गए। बाद में यही इंटरनेशनल क्रिकेट का हिस्सा बन गया।

सफेद गेंद : रात में लाल गेंद साफ दिखाई नहीं देती थी, इसलिए पहली बार सफेद गेंद का इस्तेमाल हुआ। 1992 वर्ल्ड कप पहला ICC टूर्नामेंट बना, जिसमें रंगीन जर्सी, डे-नाइट मैच और सफेद गेंद तीनों का इस्तेमाल हुआ।

(फोटो- डॉन इमेज)

1992 वर्ल्ड कप पहला ICC टूर्नामेंट बना, जिसमें डे-नाइट मैच और सफेद गेंद का इस्तेमाल हुआ।

(फोटो- डॉन इमेज)

एक कप्तान ने 10 फील्डर बाउंड्री पर लगा दिए, फिर आया पावरप्ले

वनडे में फील्डिंग नियम भी एक घटना के बाद बदले। 1979 में इंग्लैंड के कप्तान माइक ब्रियरली ने आखिरी गेंद पर विकेटकीपर समेत सभी 10 फील्डर बाउंड्री पर लगा दिए। बल्लेबाज के लिए चौका या छक्का लगाना लगभग असंभव हो गया। इसके बाद फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन लाया गया। 1992 वर्ल्ड कप में इन्हें पहली बार माना गया। 2005 में पावरप्ले आया।

2008, 2011 और 2012 में इसके नियम बदले गए। 2015 से मौजूदा फील्डिंग नियम लागू हैं। बारिश के नियम सबसे ज्यादा बदले वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्रयोग बारिश से प्रभावित मैचों के नियमों में हुए। शुरुआत में हर देश अपने हिसाब से नियम बनाता था। कहीं रनरेट से नतीजा निकलता था तो कहीं पहले 45 ओवर के स्कोर से फैसला होता था।

- **सफेद गेंद ने खत्म की रिवर्स स्विंग, फिर बदला नियम-** 2001 तक लाल गेंद पूरी तरह वनडे से बाहर हो गई। लेकिन सफेद गेंद जल्दी गंदी होने लगी, इसलिए ICC ने एक पारी में दो नई गेंदों का नियम लागू किया। इससे गेंद ज्यादा देर नई रही और रिवर्स स्विंग लगभग खत्म हो गई। इसके बाद गेंदबाजों की शिकायतों को देखते हुए 2025 में नियम बदला गया। अब 34 ओवर के बाद गेंदबाजी टीम दोनों में से किसी एक पुरानी गेंद से बाकी ओवर करा सकती है, जिससे रिवर्स स्विंग की संभावना बढ़ जाती है। 2019 में इंग्लैंड के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद सुपर ओवर नियम में आखिरी बदलाव हुआ। 2019 में इंग्लैंड के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद सुपर ओवर नियम में आखिरी बदलाव हुआ।
- **55 साल में बल्लेबाजी पूरी तरह बदल गई-** वनडे के शुरुआती 1000 मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर 213.9 रन था। पिछले 1000 मैचों में यह बढ़कर 249.97 रन हो गया। पहले लक्ष्य का पीछा करते हुए भी 300 रन आसानी से बना रही हैं। बैटिंग औसत 26.39 से बढ़कर 29.03 हो गया है, जबकि स्ट्राइक रेट 66.15 से बढ़कर 83.4 पहुंच गया। पहले जहां हर 127 गेंद पर एक छक्का लगता था, अब हर 55.42 गेंद पर छक्का लग रहा है। गेंदबाज भी पहले से ज्यादा विकेट ले रहे हैं और पांच विकेट लेने की घटनाएं भी लगभग दोगुनी हो गई हैं।
- **टी-20 ने वनडे को चुनौती दी, लेकिन खत्म नहीं कर पाया-** 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप और उसके बाद दुनिया भर में शुरू हुई फ्रैंचाइजी लीगों के कारण द्विपक्षीय वनडे सीरीज कम हो गई हैं। इसके बावजूद वनडे वर्ल्ड कप और चौपंचस टॉफी जैसे टूर्नामेंट इस फॉर्मेट को पॉपुलर बनाए हुए हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें: गुर्जर

सीएम हेल्पलाइन तथा जनसुनवाई के रायपुर के सभी प्रकरण निराकृत करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहाताब सिंह गुर्जर ने कहा कि आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस हथोल्लास से मनाया जाएगा जिला स्तरीय समारोह एसएएफ मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा इसके साथ-साथ सभी विकासखण्ड मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, नगर पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों में भी समारोहपूर्वक स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस में सभी माध्यमिक और प्राथमिक शालाओं में विशेष मध्याह्न भोजन का आयोजन किया जाएगा। सभी अधिकारी स्वतंत्रता दिवस समारोह की समय रहते तैयारी कर लें। स्वतंत्रता दिवस पर सभी कार्यलयों, शिक्षण संस्थानों तथा व्यावसायिक संस्थानों में सुबह 8 बजे तक ध्वजारोहण किया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह में परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य कार्यक्रमों की तैयारियाँ पूरी कर लें समारोह में सम्मानित होने वाले उपस्थितिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ प्रस्ताव 12



अगस्त तक जिला पंचायत कार्यलय में उपलब्ध करा दें मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि 14 अगस्त को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शिविर रायपुर कर्चुलियान में लगाया जाएगा इसमें जिले के प्रभारी मंत्री भी शामिल होंगे। एसडीएम मनगवां तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध कर लें सभी अधिकारी रायपुर कर्चुलियान में लंबित सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों का दो दिवस में निराकरण कराएं। शिविर स्थल में प्रत्येक विभाग के सामने उसका नाम प्रदर्शित करने वाला बैनर

अवश्य लगवाएं शिविर में आधार कार्ड बनाने तथा आयुष्मान कार्ड बनाने की व्यवस्था करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिविर में निःशुल्क जाँच एवं उपचार की व्यवस्था कराएं रायपुर कर्चुलियान क्लस्टर के साथ-साथ पूरे विकासखण्ड में लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें रायपुर कर्चुलियान में मुख्य शिविर लगाया जाएगा इसके साथ-साथ सभी विकासखण्डों के अधिकारी क्षेत्र का अनिवार्य रूप से भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की मानीटरिंग करेंगे तथा कार्यालयों का निरीक्षण करेंगे महाप्रबंध उद्योग शिविर में आसपास के सफल उद्यमियों को आमंत्रित कर उद्यम संवाद में



भागीदार बनाएं बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा स्कूल, कालेज, आंगनवाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत तथा सभी कार्यालयों में संगोष्ठी, रैली साइकिल रैली, तिरंगा यात्रा स्कूटी रैली रंगोली प्रतियोगिता तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित करें इनके माध्यम से हर व्यक्ति को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ें। सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी हर घर तिरंगा अभियान में सहभागी बनाएं अभियान से जुड़े कार्यक्रमों के अच्छे फोटोग्राफ्स और विवरण प्रतिदिन जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं, जिससे इनका

समुचित प्रचार-प्रसार किया जा सके बैठक में गुर्जर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अभी भी अधिकांश विभाग डी श्रेणी में हैं सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं तथा मांग आधारित शिकायतें बंद करने के प्रस्ताव भेजें जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्रामीण विकास, श्रम, जन्म-मृत्यु तथा विवाह पंजीयन एवं अन्य शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें राजस्व श्रम, स्वास्थ्य, गृह विभाग शिक्षा, ग्रामीण विकास विभाग नारीय विकास विभाग तथा पीएचई विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पर लंबित हैं विशेष प्रयास करके इन आवेदनों का

निराकरण कराएं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में 21 अगस्त को मुख्यमंत्री जी के जिले में भ्रमण की संभावना है इसके लिए समुचित तैयारियाँ कर लें बैठक में वर्षा तथा फसलों की स्थिति पेंशन प्रकरणों के निराकरण आईगॉट प्रशिक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए गए बैठक में जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ. अनुराग चौहान ने 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले एड्स जागरूकता अभियान के संबंध में जानकारी दी बैठक में अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर जितेंद्र तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर माइकल तिवारी तथा सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य समाज से जुड़ी घटनाओं पर एसपी को ज्ञापन, कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वैश्य समाज से जुड़े लोगों के साथ हुई कथित आपराधिक घटनाओं को लेकर वैश्य समाज संगठन एवं अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष केके गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक रीवा को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने विभिन्न मामलों में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि चार दिन में कार्रवाई नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन एवं चक्काजाम किया जाएगा ज्ञापन में बताया गया कि अमहिया थाना क्षेत्र में वैभव गुप्ता उर्फ अंशु गुप्ता की मौत के मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। संगठन के अनुसार 11 जुलाई को वैभव घर से निकले थे और 14 जुलाई को गोविंदगढ़ तालाब में उनका शव मिला। परिजनों ने मामले की जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की दूसरे मामले में मंनारवा थाना क्षेत्र में संदीप गुप्ता को 28 जुलाई

की रात घर में घुसकर गोली मारने का आरोप लगाया गया। ज्ञापन के अनुसार घायल संदीप का उपचार जारी है तीसरे मामले में सोहागी थाना क्षेत्र के सोनौरी-चाकवाट के ढकरा गांव में शुभम केसरवानी एवं ऋषभ केसरवानी पर 6 अगस्त को जानलेवा हमले का आरोप लगाया गया वहीं जवा थाना क्षेत्र में राम सुशील गुप्ता पर 21 जुलाई को घर में घुसकर तलवार, रॉड और डंडे से हमला किए जाने की शिकायत बताई गई राष्ट्रीय अध्यक्ष केके गुप्ता ने एसपी से सभी मामलों में न्यायसंगत कार्रवाई और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की उन्होंने कहा कि चार दिन में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो समाज आंदोलन और चक्काजाम के लिए मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी ज्ञापन के दौरान मृतक की माता सुनीता गुप्ता भाई यश गुप्ता सहित विभिन्न वैश्य एवं अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

पतंग प्रतियोगिता के विजेताओं को कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष ने किया पुरस्कृत

आचार्य नगर के संजीव हाई स्कूल में बेटियों ने दिखाई रचनात्मकता, सभी प्रतिभागियों को दिए प्रोत्साहन पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशन एवं महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बरोसिया के मार्गदर्शन में रीवा के आचार्य नगर स्थित संजीव हाई स्कूल में बेटियों के लिए पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 से 25 वर्ष की बेटियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों ने विभिन्न आकार, रंग और डिजाइन की आकर्षक पतंगें तैयार कीं। बेटियों ने अपनी कला एवं कल्पनाशीलता के माध्यम से एक से बढ़कर एक सुंदर पतंग बनाकर प्रतियोगिता में प्रस्तुत की। आयोजन का उद्देश्य बेटियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने



के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करना रहा प्रतियोगिता के समापन अवसर पर महिला कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष विजय लक्ष्मी मिश्रा ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित

किया। उन्होंने विजेता बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की सप्त सभी प्रतिभागियों को मिला प्रोत्साहन प्रतियोगिता में शामिल अन्य सभी बेटियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप कलम, किताब और कॉपी वितरित की गई।

आयोजकों ने कहा कि प्रतियोगिता में केवल जीत ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि बेटियों की प्रतिभा और सहभागिता को प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य है इस अवसर पर विजय लक्ष्मी मिश्रा ने कहा कि बेटियां अपनी कला प्रतिभा और संस्कृति के माध्यम से देश को गौरवान्वित करती हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी देश की बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए समाज और देश का नाम रोशन करती रहेंगी कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला आयोजकों ने भविष्य में भी बेटियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए ऐसे रचनात्मक आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

किसान-मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ रीवा में प्रदर्शन, कानूनों की प्रतियां जलाई

काली पट्टी बांधकर किसानों-मजदूरों ने जताया विरोध, श्रम कानून वापस लेने और एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसान-मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को रीवा सहित आसपास के क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) एवं ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर देशव्यापी विरोध कार्यक्रम आयोजित

किया गया प्रदर्शनकारियों ने किसान-मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और विभिन्न शीलों को लेकर नारेबाजी की रीवा के रतहरा क्षेत्र में किसानों और मजदूरों ने प्रदर्शन करते हुए कथित किसान-मजदूर विरोधी कानूनों की प्रतियां जलाकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने चार श्रम कानूनों को वापस लेने, मनरेगा को बहाल करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी का कानून बनाने तथा भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को रद्द करने सहित अन्य मांगों उठाई एसकेएम नेता अधिवक्ता शिव सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों से किसानों और मजदूरों में असंतोष है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आगामी 26 नवंबर से देशभर में पक्के

मोर्चे लगाए जाएंगे सप्त कई जिलों में हुआ विरोध राष्ट्रीय आह्वान के तहत रीवा के अलावा सिरमौर, सेमरिया, मऊगंज, सतना, सीधी और सिंगरौली सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी विरोध प्रदर्शन किए जाने की जानकारी दी गई। प्रदर्शन के दौरान किसानों और मजदूरों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की कार्यक्रम में संतकुमार पटेल, पुष्पेंद्र सिंह, खुशीलाल पटेल, आरके सिंह, केपी साकेत, राजेश पटेल, मुनिराज पटेल, जय पटेल फौजी, कैलाश पटेल, अखिलेश पटेल, रमेश वर्मा, संतोष पटेल सहित किसान संगठन से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे। मजदूर यूनियन से छोटेलाल साकेत, रामकलेश यादव, गणेश साकेत, रमेश साकेत, राजू यादव, गोविंद साकेत, जगजीवन साकेत, कमलेश साकेत सहित बड़ी संख्या में किसान-मजदूर प्रदर्शन में शामिल हुए।

हर घर तिरंगा यात्रा में देशभक्ति गीतों और नारों से गूंज उठा शहर हाथों में तिरंगा और होठों पर वंदे मातरम के साथ निकली तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान में रीवा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया विवेकानंद पार्क कालेज चौराहा से मानस भवन, शिल्पी प्लाजा बाजार प्रकाश चौराहा, स्टेच्यू चौराहा खन्ना चौराहा, वेंकट तिराहा होते हुए तिरंगा यात्रा का जयस्तंभ चौक पर समापन हुआ तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान और शान का प्रतीक है इस तिरंगे को हाथों में लेकर हजारों वीरों ने देश के लिए अपना प्राणों का बलिदान किया रीवा संभाग के सभी जिलों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तिरंगा अभियान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके देश के



शहीदों का नमन किया जा रहा है तिरंगा हमें राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों की भी याद दिलाता है विवेकानंद पार्क से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में देशभक्ति के गीतों और नारों की धूम रही हर हाथ में लहराते हुए तिरंगे देशप्रेम का संदेश दे रहे थे तिरंगा यात्रा में 50 फीट लंबा तिरंगा प्रदर्शित किया गया इसके साथ-साथ

वीरेन्द्र गुप्ता अन्य पार्टी पदाधिकारी, नगर निगम के पार्श्व गण शामिल रहे रैली में कमिश्नर सिंह, प्रभारी कलेक्टर तथा आयुक्त नगर निगम अश्वत जैन, अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहाताब सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे रैली में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी परियोजना अधिकारी पर्यवेशक तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नगर निगम एवं कलेक्ट्रेट के कर्मचारी एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी, स्कूलों के विद्यार्थी शामिल रहे रैली में जिला खेल अधिकारी के नेतृत्व में खिलाड़ियों का दल शामिल रहा।

वीरेन्द्र गुप्ता अन्य पार्टी पदाधिकारी, नगर निगम के पार्श्व गण शामिल रहे रैली में कमिश्नर सिंह, प्रभारी कलेक्टर तथा आयुक्त नगर निगम अश्वत जैन, अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहाताब सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे रैली में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी परियोजना अधिकारी पर्यवेशक तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नगर निगम एवं कलेक्ट्रेट के कर्मचारी एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी, स्कूलों के विद्यार्थी शामिल रहे रैली में जिला खेल अधिकारी के नेतृत्व में खिलाड़ियों का दल शामिल रहा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा मुख्य समारोह एसएएफ मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कलेक्टर ने कहा है कि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एसएएफ मैदान में परेड तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए मैदान को समतल करके पूरी तरह से तैयार कर दें बारिश को देखते हुए जोरो साइज की गिट्टी से गड्ढों में भराव करके लकड़ी के बुरदे का ट्रैक में छिड़काव को व्यवस्था रखें जिससे परेड में किसी तरह की कठिनाई न हो कलेक्टर ने कहा है कि सहायक आयुक्त नगर निगम रीवा मुख्य कार्यक्रम स्थल तथा

शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें एसएएफ मैदान में मुख्य समारोह के लिए अतिथियों के बैठने के लिए 2500 कुर्सियाँ सोफे एवं वाटरफू फंडाल की व्यवस्था करें जिस मंच से ध्वजारोहण किया जाना है वहीं वर्षा से बचाव की समुचित व्यवस्था करें फाइनल रिसर्शल तथा मुख्य समारोह में साउंड की समुचित व्यवस्था रखें अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल समारोह के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति तथा पावर बैंकअप के रूप में जनरेटर की व्यवस्था करें सहायक संचालक उद्यानिकी मंच की साज-सज्जा के लिए गमले तथा फूलों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। समारोह में हर घर तिरंगा अभियान तथा स्वाधीनता दिवस की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे जिला शिक्षा अधिकारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था करें।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त अश्वत जैन ने सोमवार को नगर निगम सभागार में टीएल समीक्षा बैठक लेकर शहरवासियों से सीधे जुड़े विभिन्न जनहितकारी विषयों

की विभागवार समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, स्ट्रीट लाइट, बारिश के दौरान सड़कों के पैचवर्क एवं गड्ढों की मरम्मत, गंदे पानी की

शिकायतें, निगम द्वारा जारी नोटिस की ट्रैकिंग और ई-ऑफिस व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर अधिकारियों से जानकारी ली गई पुराने शिकायतों के निराकरण पर जोर: निगम आयुक्त ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों-कर्मचारियों को दी और प्रभावी अनुपालन के निर्देश दिए उन्होंने

निर्देश दिए उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि जल्दतः पड़ने पर मौके पर जाकर समस्या का प्रभावी और समयबद्ध समाधान किया जाए। लोक सेवा गारंटी के लंबित मामलों को भी निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता से निपटने के निर्देश दिए गए साथ ही सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी प्रकरणों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया बैठक में निगम द्वारा जारी नोटिसों की ट्रैकिंग व्यवस्था जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए आयुक्त ने पूर्व में जारी सभी नोटिसों को गूगल

शीट में दर्ज कर व्यवस्थित रूप से ट्रैक करने को कहा नोटिस की समय-सीमा समाप्त होने के बाद संबंधित व्यक्ति या संस्था द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर नियमानुसार अगली कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए वर्षा ऋतु को देखते हुए शहर में सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने चिन्हित गड्ढों और पैचवर्क वाले स्थानों, सहायक कार्य लगातार जारी रखने को कहा सड़क संबंधी शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई कर नागरिकों को राहत देने के निर्देश दिए गए गंदे पानी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने

पर भी जोर दिया गया सप्त शत-प्रतिशत फाइलें ई-ऑफिस से चलाने के निर्देश ई-ऑफिस व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि शत-प्रतिशत फाइलों का मूवमेंट ई-ऑफिस के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्धीकी, कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह, राजेश चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, दीपक सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।